मूल्य – 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

फरवरी – 2019

वर्ष 7, अंक 5, पृ.सं. 20

मेरी कहानी :

एक आनन्द वृद्धाश्रमवासी का जीवन वृत्तांत

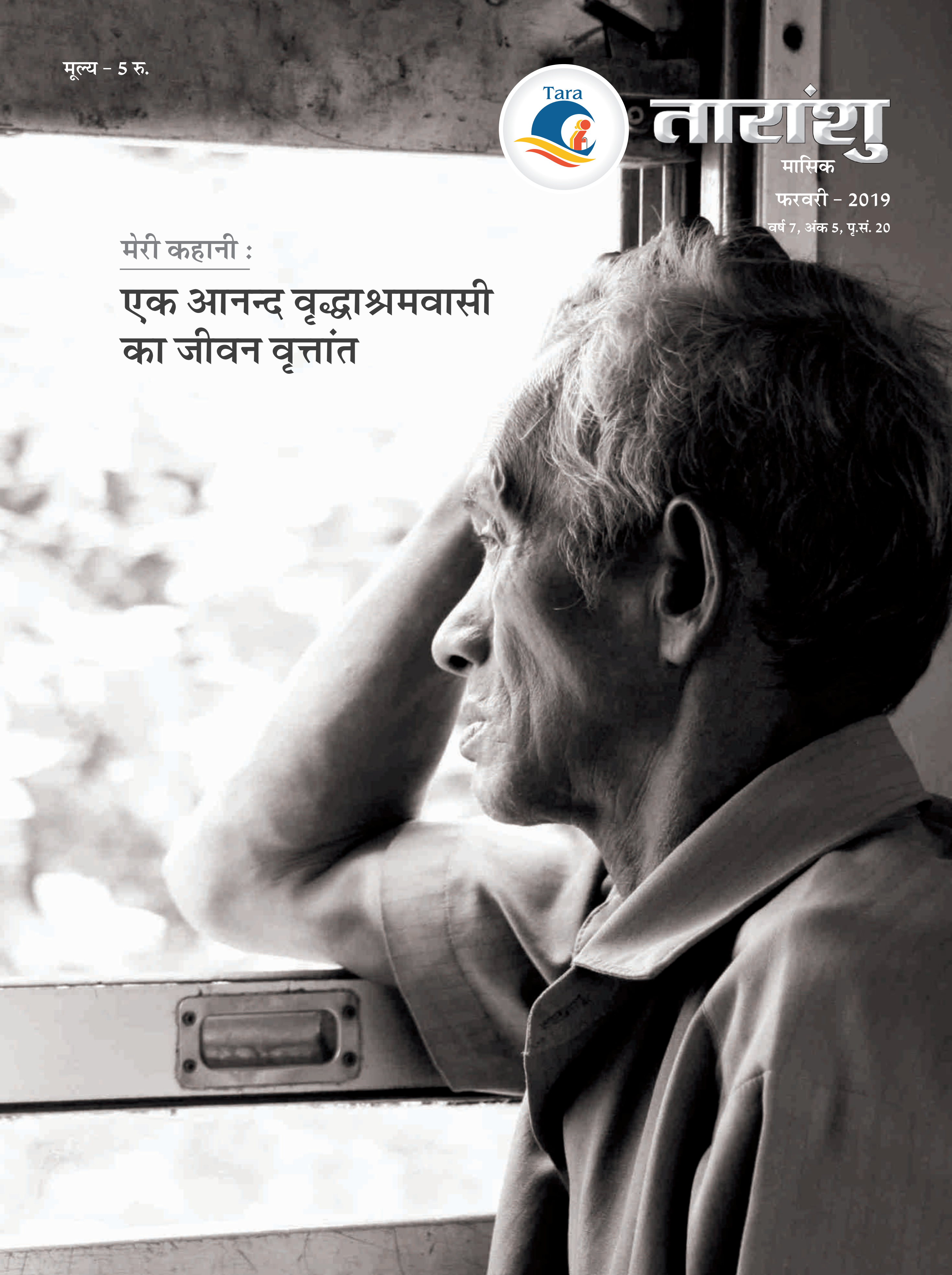

आनन्द वृद्धाश्रम :

“आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना”

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी ‘‘शांति’’
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी ‘‘शक्ति’’
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी ‘‘आस्था’’
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

प्रतिज्ञा करो कि मुझे खुशी को नहीं छोड़ना है।

"तारा संस्थान, उदयपुर"
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

मुखपृष्ठ फोटो
http://janjwar.com से साभार

तारांशु - वर्ष 7, अंक - 5, फरवरी - 2019

अनुक्रमणिका

विषय — पृष्ठ संख्या

आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर 02
अनुक्रमणिका 03
लेख 1 : उड़ी उड़ी रे पतंग 04
लेख 2 : विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया (VFI) एक परिचय 05
मेरी कहानी : एक आनन्द वृद्धाश्रमवासी का जीवन वृत्तांत 06-09
तारा नेत्रालय 10
गौरी योजना / तृप्ति योजना 11
सर्दी में विशेष अभियान 12
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल - उदयपुर / मस्ती की पाठशाला 13
न्यूज ब्रीफ / हमारे भामाशाह 14/15
विनम्र अपील 16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर 17
धन्यवाद / स्वागत सम्मान 18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान 19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश "मानव"
तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में,
साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

उड़ी उड़ी रे पतंग...

1 जनवरी की सुबह मैं घर से निकला तो गाड़ी सीधे ''तारा''के नये वृद्धाश्रम भवन की तरफ मोड़ ली क्योंकि मुझे न्योता था कि आज आनन्द वृद्धाश्रम की छत पर मकर संक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी होगी, थोड़ा पशोपेश था क्योंकि कल्पना जी अपने भैया के पास युगाण्डा गए हुए थे तो ऑफिस में काम होगा और ये भी सोच थी कि बुजुर्ग लोग क्या पतंग उड़ाएंगे इस उम्र में, लेकिन न्योता था सो आनन्द वृद्धाश्रम पहुँच गया। वृद्धाश्रम भवन का ग्राउण्ड फ्लोर जो डाइनिंग हॉल है आमतौर पर वहाँ चहल–पहल रहती है वो लगभग खाली था। चिमन भाई मुस्कराते हुए मिले और इशारा कर बताया कि सब छत पर गए हैं। मैं भी सीढ़ियाँ चढ़ते हुए चौथे माले तक पहुँचा क्योंकि मुझे मेरे हृदय रोग विशेषज्ञ भैया ने बोला था कि दिल को स्वस्थ रखना है तो लिफ्ट का इस्तेमाल मत करो तो अपने स्वार्थ के लिए थोड़ी तकलीफ ही सही, छत पर जो नज़ारा था वो मजेदार था। एक पतंग तो इतनी दूर उड़ रही थी जितनी मैंने भी बचपन में नहीं उड़ाई थी जबकि मैं भी थोड़ी बहुत पतंगबाजी कर लेता था। सक्सेना सा. के हाथ में डोर थी उस पतंग की, एकदम माहिर पतंगबाज जैसे पतंग उड़ा रहे थे और एक और पतंग द्वारका प्रसाद जी उड़ा रहे थे। मांझे की जगह सद्दा (सादा डोरा) ही था क्योंकि हाथ कटने का डर रहता है लेकिन क्या फर्क पड़ता है उनको कौनसा पेच लड़ाना था। उस दिन जो एक डेढ़ घंटा मैंने आनन्द वृद्धाश्रम की छत पर बिताया वो अविस्मरणीय है। सुमित्रा आंटी पतंग को छुट्टी दे रही थी तो अग्रवाल अंकल–आंटी ने भी उड़ती पतंग की डोर हाथ में ली उन्होंने तो जीवन में पहली बार पतंग उड़ाई थी। किचन में व्यस्त रहने वाली पौद्दार आंटी भी पतंग की डोर थाम कर इतनी खुश थी कि बता नहीं सकते और जब अनाड़ी कालूराम जी जैन ने पतंग दूसरे घर में अटका दी तो सब उन्हें कोसने लगे। कलावती आंटी जिनके पैर में अभी लगी थी वो भी छत पर कुर्सी पर बैठे बैठे ही गाने लगी ''उड़ी उड़ी रे पतंग'' और दिल्ली वाली आंटी श्रीमती सुनीता शर्मा को जब उड़ती पतंग की डोर थमाई तो वो तो नाच नाच के यही गाना गाने लगी। ऐसा लगा ही नहीं कि ये वृद्ध लोग हैं ये सब तो छोटे छोटे बच्चों जैसे हो जाते है और वृद्धाश्रम का संचालन करते हुए इन 6 सालों में ये पक्के से पता चल गया कि उम्र केवल आदमी के शरीर को बूढ़ा करती है मन हमेशा ही सभी भावों वाला होता है बस अनुभव है जो थोड़ा ठहराव ला देता है वरना मन चंचल, शैतान, जिद्दी आदि सभी भावों वाला होता है तभी तो हमारे वृद्धाश्रम में बदमाशियाँ, लड़ाइयाँ, जिद्दें, बेवकूफियाँ सब कुछ होता है और मैं, कल्पना जी या राजेश जी (वृद्धाश्रम के मैनेजर) कभी हॉस्टल के वार्डन या क्लास के मॉनीटर की भूमिका निभाते हैं। अपने से डेढ़ी उम्र या दुगनी उम्र के बच्चों को अनुशासन का पाठ पढ़ाना भी कभी–कभी रोचक या कभी परेशान करने वाला होता है लेकिन अब ये हमारी रोजमर्रा की जिन्दगी है। लेकिन इन बुजुर्गों का बचपना देखकर जो आत्मिक संतोष और खुशी मिलती है उसके आगे सारी परेशानियाँ गौण हैं। तारा में हमारा ये प्रयास रहता है कि कुछ–कुछ प्लानिंग वृद्धाश्रम के लिए करते रहें जिससे कि यहाँ के रहने वाले जिन्दादिली से अपने जीवन के आखिरी समय को व्यतीत करते रहें।

आदर सहित....

दीपेश मित्तल

दृष्टि को परिवर्तन करो तो सृष्टि स्वतः ही बदल जावेगी।

Dr. Kulin Kothari
Managing Trustee,
Vision Foundation of India (VFI)

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया (VFI) एक परिचय

दुनिया में 4.5 करोड़ से अधिक लोग प्रज्ञा चक्षु हैं, इनमें से 1.8 करोड़ लोग भारत में हैं। अंधेपन के 90 लाख से अधिक मामले मोतियाबिंद के कारण होते हैं और अन्य 30 लाख अपवर्तक त्रुटियों (Refractive Errors) के कारण जबकि दोनों आसानी से उपचार योग्य हैं। दुनिया में हर पांच सैकंड में एक व्यक्ति अंधा हो जाता है। एक बच्चा हर मिनट में अंधा हो जाता है। (डब्ल्यू.एच.ओ. की रिपोर्ट के अनुसार)।

ऐसी स्थिति में लगभग 25 साल पहले डॉ. कुलीन कोठारी ने भारत को अंधेपन से मुक्त बनाने के जुनून से प्रेरित होकर, विजन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (VFI) की स्थापना की। एक सम्मानित नेत्र रोग विशेषज्ञ, श्री कोठारी ने इस संगठन को इसलिए शुरू किया ताकि इलाज़ लायक अंधेपन को दूर किया जा सके। तब से VFI भारत के सभी हिस्सों से निराश्रितों के उपचार को सक्षमता प्रदान कर रहा है। VFI समाज के निचले तबके के लिए मुफ्त नेत्र जाँच और सर्जरी उपलब्ध कराता है। आँखों की देखभाल और चिकित्सा तकनीक की गुणवत्ता अभी भी देश के अधिकांश पीड़ित लोगों की पहुंच से परे है। इसलिए आधारभूत संरचना और उपकरणों के माध्यम से VFI उन्हें गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल मुफ्त में देने में मदद करता है। VFI ने भारत के ग्रामीण हिस्सों में अपनी पहुँच लगातार बढ़ाई है। फाउंडेशन ने लाखों रोगियों का ऑपरेशन किया है और भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों हिस्सों में मुफ्त नेत्र शिविर आयोजित किए हैं। डॉ. कुलीन कोठारी दृढ़ता से मानते हैं, पैसों की कमी कभी भी खराब नज़र का कारण नहीं होनी चाहिए।

तारा संस्थान के तारा नेत्रालयों ने भी विजन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (VFI) के सहयोग से हज़ारों नेत्र जाँच एवं मोतियाबिंद शिविर लगाकर लाखों गरीब एवं ज़रूरतमंद लोगों के मुफ्त मोतियाबिंद आपरेशन कर उन्हें उनकी दृष्टि पुनः लौटाई है।

संस्थान आभारी है डॉ. कोठारी और विजन फाउण्डेशन की पूरी टीम का जो इस अंधता निवारण के नेक कार्य में निरंतर सहयोग दे रहे हैं।

मेरी कहानी : एक आनन्द वृद्धाश्रमवासी का जीवन वृत्तांत

मेरा बचपन

मैं राम प्रसाद एक मध्यम–वर्गीय परिवार में सन् 1950 में राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में पैदा हुआ था। हमारे भरे–पूरे परिवार में, मैं चार भाई–बहनों में सबसे छोटा था। पिताजी का अच्छा सा कारोबार चल रहा था। हम एक संभ्रांत मोहल्ले में बड़े से घर में रहते थे। हमारी माताजी एक गृहणी एवं धर्म–परायण महिला थी। हमारा खान–पान, रहन–सहन बहुत उच्चस्तरीय था। हम चारों भाई–बहन अच्छे स्कूल में पढ़ने जाते थे। पड़ोसियों के साथ खूब धमा–चौकड़ी करते। घर में वार–त्योहार पर रिश्तेदारों और मित्रों का जमावड़ा लगा रहता था। हम लोग छुट्टियों में देश भर घूमने जाते थे।

सब कुछ बहुत आनंदपूर्वक चल रहा था। मुझे याद है ऐसे ही हंसते–खेलते मैं कैसे स्कूल पास कर कॉलेज पहुँच गया था, मालूम ही नहीं चला कि... अचानक एक दिसंबर की काली शाम को पिताजी ऑफिस से घर लौटे तो उनके चहरे पर बहुत मायूसी छाई हुई दिखी। हम कुछ माज़रा नहीं समझ पाए। हिम्मत करके माताजी ने सवाल पूछा तो सरदर्द का बहाना कर सोने चले गए।

पिताजी का ये सिलसिला कई दिन तक चलता रहा। घर आते, कभी कुछ खाते, ना खाते और सोने चले जाते। बहुत कोशिशों के बाद हमें उड़ती सी खबर मिली की पिताजी के धंधे में सब कुछ ठीक–ठाक नहीं है। यह जानकर हमारी माताजी ने निश्चय किया और हम भाई–बहनों को बताया कि अगले दिन सुबह सब मिल कर पिताजी से बात करेंगे कि आखिर माज़रा क्या है? उस रात हम और माँ पूरी रात सो नहीं पाए, चिंतित थे, सोच रहे थे कि कब सुबह हो और सत्य का पता चले और सुबह हुई तो ऐसी कि हमारी सुन्दर सी दुनिया ताश के पत्तों की तरह ढह गई – सुबह माँ को पिताजी नींद में ही मृत मिले।

अपकारी पर उपकार करना सीखो तो सत्कार मिलेगा।

कुछ महीनों के बाद हमारी ज़िंदगी पूरी तरह से बदल गई। पिताजी बहुत सा व्यावसायिक क़र्ज़ छोड़ गए थे क्योंकि वह शेयर बाज़ार में बड़े घोटाले का शिकार हो गए थे। उनका धंधा भी चौपट हुआ और हमने पिताजी को खो दिया।

अब हमारा कॉलेज बीच में ही छूट गया, घर की माली हालत सुधारने और देनदारी चुकाने हेतु हम सब भाई–बहनों ने छोटी मोटी नौकरियाँ पकड़ ली। भाग्यवश माताजी को एक प्राइवेट स्कूल में टीचर की जॉब मिल गयी।

माताजी ने एक साल की नौकरी के बाद निश्चय किया कि कम–से–कम एक बच्चे को तो ग्रेजुएशन कराना ही होगा सो चूँकि मैं परिवार में सबसे छोटा था तो मुझे कॉलेज फिर भेजा जाने लगा, अन्य भाई–बहनों ने नौकरियाँ जारी रखीं। इधर माँ ने घर पर ट्यूशन भी लेना शुरू कर दिया ताकि आय में बढ़ोतरी हो सके। आखिरकार 3 साल में जब तक मैं ग्रेजुएट हुआ तब तक माँ और मेरे परिवार ने पिताजी की सारी उधारी चुका दी और अगले साल दोनों बहनों की एक साथ शादी करावा दी तब जाकर माताजी ने थोड़ी सी सांस ली।

मैंने भी एक जॉब पा ली तो हम भाइयों ने माता जी से कहा कि अब हम दोनों कमा रहे हैं सो उनको काम छोड़ देना चाहिए पर वो नहीं मानी, कहा जब तक तुम लोगों का काम स्थापित नहीं हो जाता तब तब वह नहीं रुकेगी, काम करती रहेगी। उनकी इस जिद के आगे हमारी एक न चली तो हमने धीरे–धीरे बिज़नेस हेतु पैसा जमा करना आरम्भ किया और अगले तीन साल बाद एक ट्रेडिंग का कारोबार आरम्भ किया।

पहले कुछ वर्षों के बाद अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता पड़ी तो हमने माताजी से चर्चा की कि क्यों ना हम इस बड़े घर को बेच कर किसी छोटे में शिफ्ट हो जाएँ। माँ को यह मंजूर नहीं हुआ, उनकी हमारी अनेक रंगीन यादें जो जुड़ी थीं इस मकान से। और तो और यह पिताजी का एक तोहफा था हमें। हम भाईयों ने माँ की बात मानकर कहा कि चलो कुछ साल जैसे तैसे काम चलाते हैं, धंधे में विस्तार बाद में करेंगे लेकिन माँ तो माँ है ना, अगले ही दिन उन्होंने हमारे ज़रूरत के पैसों की व्यवस्था कर दी। पूछने पर पता चला कि यह उनकी पी.एफ., बचत व स्कूल से लोन के द्वारा जुगाड़ हो पाया। हमें काटो तो खून नहीं! हमने वह पैसा लेने से साफ़ मना कर दिया लेकिन फिर माँ की हठ के आगे हमें झुकना पड़ा।

मेरा युवाकाल

अगले दो–तीन सालों में माँ द्वारा प्रदत्त अतिरिक्त पूंजी की बदौलत हम दोनों भाइयों ने हमारे बिजनेस को सफलता के शिखर पर पहुँचा कर माता जी को स्कूल से स्वैच्छिक रिटायरमेंट दिलवा दिया। अब समय–समय पर बड़े भैया माँ को देश भर में तीर्थ यात्राओं पर ले जाते हैं और मैं स्वयं कारोबार संभालता हूँ। वक़्त तेजी से गुजरता गया शादियों का समय आ गया। बड़े भाई ने माताजी को तीर्थ यात्राएँ कराने के दायित्व को शादी से ज़्यादा महत्त्वपूर्ण माना। माँ और हम सब रिश्तेदारों ने बहुत मनाने की कोशिश की पर वह टस–से–मस नहीं हुए। आखिरकार हारकर मुझ छोटे की ही शादी करवा दी गई। भाई और माँ फिर देशाटन पर निकल गए। यही सिलसिला चलता रहा। समय का चक्र तेजी से घूमता रहा, मेरा घर मेरी पत्नी अच्छे से संभाल रही थी और मेरा धंधा सफलता पूर्वक चल रहा था।

फिर हुआ यूं कि मेरी माताजी एवं भाई साहब ने हरिद्वार में ही बस जाने का फैसला कर लिया क्योंकि उनको अपनी धार्मिक यात्राओं का वही उपयुक्त केंद्र लगा जहाँ से सारे धामों की ओर आसानी से जाया जा सकता था। मैंने बहुत समझाया कि घर रहकर भी यात्राओं पर निकलने में कोई परेशानी नहीं होती है। घर पर रहने से मुझे उनकी सन्निधी का सौभाग्य भी प्राप्त होगा। परन्तु माताजी एवं भाई को हरिद्वार रास आ गया था एवं आखिरकार वहीं बस गए।

थक हार कर मैंने सारा कारोबार बच्चों को देकर मन को शान्ति हेतु पत्नी, जो कि मेरी माताजी के धार्मिक स्वभाव से बहुत प्रभावित थी, के सुझाव पर जीवन को माता जी की याद में दीन–दुःखियों को समर्पित करने का निश्चय किया। अतएवं हम दोनों ने खोज–बीन कर नारायण सेवा संस्थान से जुड़ने का फैसला किया। हमने उदयपुर में इस संस्थान के मानवीय कल्याण कार्यों को नज़दीक से देखा और समय पर उन्हें दान देकर हमारा छोटा सा दायित्व निभाते रहे। वक़्त बीतता रहा, बच्चों की भी शादियाँ हो गयीं। बच्ची विदेश में बस गयी, बच्चे ने कारोबार इतना फैला दिया कि वह दिन–रात उसे संभालने हेतु यात्राओं में ही महीनों चलता रहता है। साल छः महीने में उसकी शक्ल बमुश्किल देख पाते हैं। इधर बहू पोते–पोतियों को बड़ा करने में व्यस्त है।

पिछले साल पत्नी अचानक बीमार हो गई तो दिन–रात अस्पताल में उसकी सेवा में लगा रहा लेकिन चार महीने के इलाज़ के बाद वो नहीं रही। मेरी तो मानो सारी दुनिया ही लुट गई। इधर बाल–बच्चे अपनी ही दुनिया में खोये हैं। मैं यह देख सब कुछ छोड़कर दुःख कम करने हेतु पुनः मानव कल्याण कार्यों में रम गया।

इसे दौरान तारा संस्थान, उदयपुर के संपर्क में आया और उनके द्वारा मानवीय कल्याण कार्यों से मुझे बहुत संतोष मिला, विशेषकर उनके संचालित आनंद वृद्धाश्रम से। तो निश्चय किया कि इस संस्थान से जुड़ना भी हितकारी होगा सो उनको समय–समय पर अपनी क्षमतानुसार दान–सहयोग करता रहता हूँ।

एक बार जब में तारा संस्थान में था तभी आनंद वृद्धाश्रम के एक बुजुर्ग की मृत्यु के समाचार मिले और पता चला कि उनके कोई रिश्तेदार उनके दाह संस्कार हेतु नहीं आयेंगे तो सारी व्यवस्था तारा ने ही करवाई जिसे मैंने अपने आँखों से देखा। यह अनुभव काफी द्रवित करने वाला था।

मेरी वृद्धावस्था

पिछले वर्ष अप्रैल 2018 उनके आग्रह पर आनंद वृद्धाश्रम के नवीन परिसर के उदघाटन समारोह में शामिल हुआ। ऐसा भव्य परिसर, निःसहाय व एकांकी बुजुर्गों हेतु समस्त सुविधायुक्त इस वृद्धाश्रम से मैं बहुत प्रभावित हुआ और मैंने भी अपनी क्षमतानुसार वहां के विस्तार में दान–सहयोग दिया। इधर मैं जब भी घर पर होता हूँ मन कहीं नहीं लगता, अकेलापन काटने को दौड़ता है। अब उम्र 69 वर्ष हो गयी है सो एक बार बैठकर गहराई से विचार किया और निर्णय लिया कि अब अच्छा होगा कि हम उम्र लोगों की कंपनी में रहा जाए तो आनंद वृद्धाश्रम से बेहतर ज़गह क्या हो सकती है?

इस बाबत तारा संस्थान के निदेशक कल्पना जी से फोन पर बात हुई तो उन्होंने सप्रेम बुलावा भेज दिया और कहा कि मैं आनंद वृद्धाश्रम में स्वयं कुछ दिन रह कर देखूं और निश्चय करूँ कि यह स्थान मेरे लिए उचित है अथवा नहीं। सौ आखिरकार दिसंबर, 2018 से आनंद वृद्धाश्रम में प्रवेश लेने हेतु मैं तारा संस्थान, उदयपुर पहुँचा। यहाँ पर कल्पना जी और दीपेश जी से मिलकर अत्यंत आत्मीयता का अहसास हुआ। फिर राजेश जी (आनन्द वृद्धाश्रम इंचार्ज) ने मुझे वृद्धाश्रम परिसर की सारी सुविधाओं से अवगत कराया और मेरे रहने हेतु हमउम्र साथियों के साथ हाल में व्यवस्था करवा दी।

चूंकि नया–नया था तो एकाध दिन सेटल होने में लग गया लेकिन फिर आसपास के मेरे जैसे बुजुर्गों से बातचीत होने लगी और कम्फर्टेबल हो गया। खाने की बात करें तो सुबह चाय–नाश्ता, लंच में सब्जी, दाल, चपाती, चावल आदि सहित पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन बिलकुल घर के खाने का अहसास देता हैं। शाम की चाय के साथ मौसमी फलों की व्यवस्था है। और चूंकि मैं रात को हल्का खाना पसंद करता हूँ। यहाँ दूध–दलिया मिल जाता है।

धीरे–धीरे मैं आनंद वृद्धाश्रम की दिनचर्या का मज़ा लेने लगा हूँ और मेरा एकाकीपन लगभग गायब हो गया है। चाय के बाद सुबह–सुबह हम कुछ साथी बड़ी सी छत पर मॉर्निंग वाक करते हैं। यहाँ से उदयपुर शहर का सुन्दर सा नज़ारा मन मोह लेता है। जब नाश्ते के लिए नीचे लौटते हैं तो कुछ महिलाओं को मंदिर में पूजा अर्चना करते देख, और भंडारी जी को हारमोनियम पर सुर छेड़ते देख मन प्रसन्न हो जाता है। उधर कालूजी की जोशीली ऊर्जा हमें भी लपेट लेती है। फिर 11 बजे से भजन–कीर्तन में स्त्री–पुरुष सब भाग लेते हैं, बड़ा ही मनोहारी दृश्य होता, कोई तबला, खड़ताल पर हाथ आजमाते हैं तो कुछ महिलाएँ भाव–विभोर होकर नृत्य करने लगती हैं। इन गतिविधियों के अतिरिक्त

यह संसार हार-जीत का खेल है, इसे नाटक समझकर खेलो।

वार–त्योहार पर कभी स्कूल–कालेज के बच्चे, तो कभी कोई क्लब सदस्य या महिलाओं के ग्रुप हमारे साथ उत्सव मनाते हैं तो बात ही कुछ और होती है। और तो और सुहावने मौसम में हम रमणीय या दर्शनीय स्थल पर घुमाने ले जाए जाते हैं जैसे अभी पिछले दिनों हम सहेलियों की बाड़ी नामक सुन्दर स्थल पर होकर आए थे। अब रही बात चिकित्सा सुविधाओं की तो यहाँ समय पर डाक्टर चेक–अप करने आते हैं तथा चौबीसों घंटे नर्सिंग स्टाफ तैयार रहता है जो उचित समय–समय पर दवाइयां देते हैं जैसे मुझे हाई बीपी है तो उस हेतु नियमित टेबलेट्स मिल जाती

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति 3500 रु. (एक समय)

है। इसके अतिरिक्त गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को एम्बुलेंस द्वारा तुरंत निकटतम अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज़ कराया जाता हैं। तो फिर अब और किस चीज़ की आवश्यकता है?

मेरे यहाँ अनेक मित्र बन चुके हैं और जब भी फुर्सत में होते हैं तो कुछ यार मिल–बैठकर कुछ–न–कुछ गेम्स खेल लेते हैं, कोई ताश, कोई केरम आदि। कल ही मैंने मेरा फेवरेट गेम हाउजी जीता था।

अब मेरे यहाँ अनेक मित्र बन चुके हैं। इस प्रकार मैं अन्य बुजुर्गों के साथ हिल–मिल कर अपना शेष जीवन प्रसन्नतापूर्वक आनन्द वृद्धाश्रम में काट रहा हूँ।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग) 01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

मुम्बई से आकर ऑपरेशन करवाया, धन्यवाद : श्री मोगा जी (45 वर्ष)

मुम्बई में चाय का ठेला लगाने वाले श्री मोगा जी एक बार मोटर साईकल पर जा रहे थे तो लगा कि कुछ साफ दिखाई नहीं दे रहा है और वह बाईक सहित सड़क पर गिर पड़े। फिर भी उन्हें भान नहीं हुआ कि नज़र में कुछ खराबी है परन्तु एक बार इनके पैतृक गाँव सलुम्बर में जब बुखार के सिलसिले में डॉक्टर के पास गए तो बातों ही बातों में नज़र स्पष्ट नहीं होने का ज़िक्र किया। डॉक्टर ने जाँच कर बताया कि उनकी आँखों में निश्चित ही तकलीफ है और फिर उन्होंने तारा नेत्रालय, उदयपुर में जाँच कराने की सलाह दी। तारा नेत्रालय उदयपुर में डॉक्टर ने जाँच के बाद मोतियाबिन्द का होना बताया एवं ऑपरेशन के लिए भर्ती होने को कहा। भर्ती होने के बाद मोगा का ऑपरेशन सफल एवं पूर्णतया निःशुल्क होने पर वह अति प्रसन्न है एवं तारा संस्थान के दानदाताओं को धन्यवाद अर्पित करते हैं।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन) 17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

अल्लाह आपको तरक्की बख्शे : श्रीमती रईसा बानो (53 वर्ष)

राजसमन्द निवासी श्रीमती रईसा बानो को कुछ वर्ष पहले जब कम दिखने लगा तो उसने चश्मे का नम्बर निकलवाया लेकिन साल भर पहले उसे धीरे–धीरे कम दिखते–दिखते बिल्कुल ही नहीं दिखाई देने लगा। बड़ी परेशान हो गई। पति नहीं है और तीन बच्चे छोटे–मोटे काम धंधे करते हैं। इस बीच रईसा बीमार हो गई और आँखों के ईलाज की बात ना ना करते 4–6 महीने टल गई। कुछ समझ नहीं थी कि क्या करें लेकिन किस्मत से उनके कुछ परिचितों ने तारा नेत्रालय जाने को कहा। यहाँ रईसा को मोतियाबिन्द पाए जाने पर तुरंत ऑपरेशन किया गया। अब वह स्पष्ट देख कर खुश है कि तारा संस्थान की बदौलत उसका मुफ्त ऑपरेशन हो गया वरना पता नहीं प्राइवेट अस्पताल की फीस कैसे जुटाते। रईसा बानो दानदाताओं के लिए कहती है कि अल्लाह उन्हें तरक्की और खुशी बख्शे।

भगवान की याद ही पाप कर्मों से बचाने वाली है।

गौरी योजना :

तारा संस्थान को बहुत-बहुत धन्यवाद : श्रीमती इन्द्रा मेघवाल

मात्र 22 की उम्र में विधवा हो गई वर्षीया श्रीमती इन्द्रा मेघवाल के पति 5–6 महीने की बीमारी के बाद चल बसे। वह वेल्डर का कार्य करते थे। पति की मृत्यु के समय इस दम्पति का मात्र एक माह का बालक था। चूंकि बच्चा छोटा है तो इन्द्रा बाहर जाकर कुछ काम वगैरह भी नहीं कर सकती वह इस समय माता–पिता के साथ ही अपने पीहर में रहती है और उसका व बच्चे दोनों का खर्चा भी पिताजी ही उठाते हैं हालांकि पिताजी के एक हाथ में लकवा है। अब इन्द्रा की चिन्ता है कि कैसे इस दूध मुंहे बच्चे को पालपोस कर बड़ा करें। इसी उधेड़ बुन में जीवन बड़ी कठिनाइयों में बीत रहा है। परन्तु अब तारा संस्थान के मासिक पेंशन रु. 1000 से काफी राहत है बच्चे का सारा खर्चा निकल जाता है एवं कभी–कभी घर की कोई कमी भी पूरी हो जाती है। तारा संस्थान को बहुत–बहुत धन्यवाद!

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)
01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

आप लोग तो मेरे लिए भगवान स्वरुप हो : श्रीमती चम्पा देवी

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

60 वर्ष से ऊपर की वृद्धा श्रीमती चम्पा देवी की चार संतानों के साथ–साथ तीन बहुएँ भी हैं लेकिन सब अपना मतलब रखते हैं कोई किसी प्रकार की मदद नहीं करते ना ही कभी हाल पूछते हैं। वर्तमान में चम्पा देवी अपने सबसे छोटे पुत्र के साथ रहती है। शरीर से लाचार चम्पा को आँखों से भी कम दिखाई देता है शरीर में दर्द रहता है तथा बोलने में भी परेशानी रहती है। मगर कौन सुध ले इस लाचार वृद्धा की? नहाना धोना, कपड़े लत्ते आदि तक को कोई नहीं पूछते। बमुश्किल एक वक्त की रोटी मिल जाए तो खा लेती थी। जब तक पति थे तो कुछ सुख था लेकिन वह भी कुछ सालों पहले मजदूरी करते–करते बीमार होकर स्वर्गवासी हो गए। अब जबसे तारा संस्थान ने सुध ली और चम्पा देवी को पिछली 6 सालों से लगातार तृप्ति योजना के अन्तर्गत राशन व 300 रु. मासिक देकर बहुत राहत पहुँचाई है। अब इस वृद्धा को भूखे तो नहीं सोना पड़ता है जब तक जिन्दा है तब तक रोटी की व्यवस्था तो हो गई है। चम्पा देवी तारा संस्थान व दानदाताओं को धन्यवाद देते हुए आप लोग तो मेरे लिए भगवान स्वरूप हो।

स्वेटर एवं कम्बल वितरण

कड़ाके की सर्दी में इन दिनों तारा संस्थान एक विशेष अभियान के तहत गाँव–गाँव जाकर गरीब–स्कूली बच्चों को निःशुल्क स्वेटर एवं बुजुर्गों को कम्बल इत्यादि वितरित कर रहा है ताकि बच्चों व बुजुर्गों को कम्पकपाती सर्दी से राहत मिल सके एवं उनका स्वास्थ्य सुरक्षित रहें। ऐसे ही एक वितरण की झलक इन चित्रों में।

इच्छायें रखने वाला कभी अच्छा कर्म नहीं कर सकता है।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर :

गरीब विधवा महिलाओं के बच्चों की शिक्षा को समर्पित स्कूल

4 जनवरी, 2019 को शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर के नन्हें विद्यार्थियों ने मकर संक्रांति का पर्व खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेकर मनाया।

मस्ती की पाठशाला :

झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों को शिक्षित एवं सुसंस्कृत बनाने का एक प्रयास

31 दिसम्बर, 2019 को ब्रह्माकुमारी आश्रम, उदयपुर के सदस्यगण तारा संस्थान द्वारा संचालित मस्ती की पाठशाला के दौरे पर आए। यहाँ पर उन्होंने नववर्ष की पूर्व संध्या झुग्गी–झोपड़ी के रहवासी बच्चों के साथ मनाई, उन्हें केक काटकर खिलाया तथा विभिन्न साहित्य सामग्री वितरीत की।

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000/- प्रति वर्ष

दिनांक 2 जनवरी, 2019 को नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के संस्थापक श्री (डॉ.) कैलाश 'मानव' का जन्मदिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। समस्त तारा परिवार ने डॉ. मानव का अभिनन्दन कर ढेरों बधाइयाँ दीं। (चित्र में बाएँ से श्री विजय सिंह चौहान, श्रीमती कल्पना गोयल, श्री दीपेश मित्तल, डॉ. कैलाश 'मानव' तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल)

रॉबिन हूड आर्मी, उदयपुर के सदस्यगण आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में आए एवं यहाँ के वृद्धजनों के साथ खेल एवं नाच–गाने गाकर नववर्ष का स्वागत किया।

दिल्ली के मशहूर उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री जे.पी. शर्मा (संरक्षक तारा संस्थान, उदयपुर) तारा संस्थान के दौरे पर आए तथा उन्होंने तारा नेत्रालय के मरीजों का हाल–जाना फिर वह आनन्द वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों से मिलने गए।

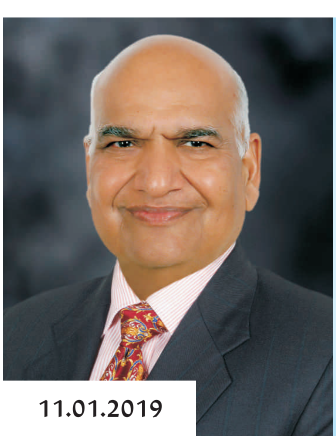

श्री सत्यभूषण जैन सा. (समाज सेवी, दिल्ली व संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर) को भारत सरकार के सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग/मंत्रालय के अधीन Integrated Programme for Senior Citizens की Screening Committee में सदस्य मनोनीत किया गया। समस्त तारा परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं अभिनन्दन।

मकर संक्रांति के अवसर पर आनंद वृद्धाश्रम में पतंगबाजी।

शुद्ध संकल्प हमारे जीवन का अनमोल खज़ाना है।

16.01.2019

तारा संस्थान, उदयपुर संचालित आनंद वृद्धाश्रम में सुन्दरकाण्ड पाठ के आयोजन की कुछ झलकियाँ।

17.01.2019

सिंहाड़ गाँव जि. उदयपुर में निःशुल्क नेत्र शिविर एवं कम्बल वितरण आदि के कार्यक्रम की झलकियाँ।

18.01.2019

आनंद वृद्धाश्रम के निवासी महाकाल मंदिर और सहेलियों की बाड़ी (उदयपुर) जैसे पर्यटन स्थलों पर घुमने निकले।

हमारे भामाशाह :

सरलता सादगी के प्रतीक व धर्मानुरागी श्री जुगल किशोर जालान

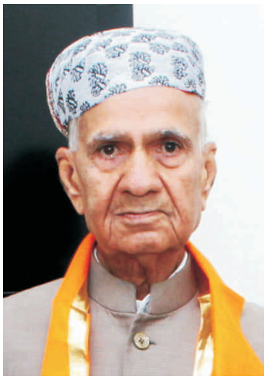

आज मुम्बई की कोई भी धार्मिक संस्था नहीं होगी जो जुगल किशोर जालान से परिचित न हो या उनका नाम न जानता हो। श्री राणी सती दादाजी के परम भक्त श्री जुगल किशोर जालान जी धर्म में जीवन का उत्साह मानते हैं। जालान जी सौम्य और मृदुभाषी हैं तथा सत्य, परिश्रम, स्पष्टवादिता, कर्म, संस्कृति, सभ्यता, सहयोग तथा सद्भावना आदि विशेष मानवीय गुणों के पुजारी हैं। जुगल किशोर जालान जी मुम्बई की अनेक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। कमेटी मेंबर के तौर पर परोपकार ट्रस्ट, परमार्थ सेवा समिति, मारवाड़ी सम्मेलन, राजस्थानी विद्यार्थी गृह, अग्रोहा विकास ट्रस्ट, जय श्री श्याम परिवार चूड़ीधाम ट्रस्ट से जुड़ाव इनके बारे में बहुत कुछ कहता है। इसके अलावा बतौर ट्रस्टी अग्रवाल सामूहिक विवाह सम्मेलन के अलावा लायन्स क्लब ऑफ मिलेनियम को एजुकेशनल फण्ड के डोनर हैं। उपाध्यक्ष के रूप में राणी सती प्रचार समिति, सांताक्रुज तथा श्री श्याम सत्संग मंडल ट्रस्ट और राजस्थानी सेवा समिति, एवरशाइन नगर, मलाड़ के अलावा राणी सती मंदिर, झुंझुनू एवं ढांढण से भी संबद्ध हैं।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरुरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer

ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. 2,00,000/-

(दो लाख रुपये)

Ophthalmic Refraction Unit

ओफ्थाल्मिक रिफ्रक्शन यूनिट

इस यूनिट के चेयर पर बैठाकर मरीजों की आँखों की जाँच व चश्मे के नम्बर निकाले जाते हैं।

कीमत रु. 1,17,600/-

(एक लाख सत्रह हजार छः सौ रुपये)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु.	09 ऑपरेशन - 27000 रु.	06 ऑपरेशन - 18000 रु.
03 ऑपरेशन - 9000 रु.	01 ऑपरेशन - 3000 रु.	

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर ....

दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....

निवास पता ....

लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....

फोन नम्बर घर / ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

मन को शीतल, मुख को मृदु बनाओ।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जनवरी – 2019 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्री जे.पी. शर्मा एवं परिवार – दिल्ली, मीनी मेटल बॉक्स कम्पनी – सिकन्दराबाद (तेलंगाना) श्री विनोद कुमार गुप्ता – उज्जैन (म.प्र.), श्री विनोद कुमार जैन – बुन्दी (राज.), श्रीमती आभा गुप्ता – दिल्ली, श्रीमती नीरा पत्नी श्री जितेन्द्र जैन – जयपुर (राज.)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्रीमती उषा देवी चौधरी – सूरत (गुज.), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण – उदयपुर, श्रीमती शोभा जे. आठले – मुम्बई, श्रीमती दयावती धर्मपत्नी श्री राम कुमार बंसल एवं परिवार – शाहदरा, नई दिल्ली, सिघंई श्री तोता राम जैन चैरिटेबल ट्रस्ट – ग्वालियर, श्री प्रेम निझावन – जनकपुरी, नई दिल्ली, श्रीमती निशा धर्मपत्नी श्री सुशील कुमार – शकुर बस्ती, दिल्ली, श्रीमती स्वर्ण धर्मपत्नी श्री हंसराज जैन – दिल्ली, श्रीमती सविता धर्मपत्नी श्रीमान् प्रेम कुमार पुरी – गुरुग्राम (हरि.), श्री अजित सिंह सपरिवार – मुनरिका, नई दिल्ली, श्रीमती सुधा – श्री ललित बरनवाल – सनभीम स्कूल, बदोई (यू.पी.), श्रीमती सुषमा – श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, वर्धमान प्लाजा – दिल्ली, श्री गोकुलम् – दिल्ली, श्री संजय अग्रवाल (सिंघल ग्रुप ऑफ कंपनीज) – रायपुर (छत्तीसगढ़) श्रीमती कविता धर्मपत्नी श्री राजेश वर्मा – दिल्ली, श्री मनोज कुमार शौकीन – नांगलोई, नई दिल्ली

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : मै. बालाजी आईस एवं चिलिंग प्लांट, सादुल्लापुर रोड़, निकट पैराडाइज होटल, गजरौला (उ.प्र.)
सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद (उ.प्र.)
राजपाल त्यागी जी के यहाँ हर्षावाले गेट के सामने, ग्राम चमरावल, बागपत (उ.प्र.)
गुरुद्वारा केतकी पाड़ा, नियर अमर ज्योति स्कूल, दहिसर (ई), मुम्बई

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 17 शिविर (देशभर में)

Thanks :

NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Lt. Mr. Krishanand - Mrs. Sushila Devi Dwivedi
Udaipur (Raj.)

Mr. S.P. - Mrs. Kusum Gupta
Bikaner (Raj.)

Mr. Jhan Chand - Mrs. Bhanwar Devi Jain
Jaipur (Raj.)

Mr. Manohar Lal Dhiran - Mrs. Kamla Devi
Chennai

Mr. Kailash Chandra - Mrs. Sumitra Devi Bagdi
Bikaner (Raj.)

Mr. Ashok - Mrs. Nirmala Agrawal
Alwar (Raj.)

Mr. Badri Singh - Mrs. Santosh Kanwar
Kota (Raj.)

Mr. Kundan Lal - Mrs. Vidhya Devi Sharma
Nurpur (H.P.)

Mrs. & Mr. Rajendra Samriya
Ahmedabad (Guj.)

Mr. Baldev Raj - Mrs. Adarsh Dhhal
New Delhi

Mrs. & Mr. Shambhu Singh Gaur
Ratlam (M.P.)

Mrs.& Mr. Shyam Bihari Ji
Ratlam (M.P.)

Mr. Subhash Lal Kanakmal Mutha &
Mrs. Chhaya Mutha, Pune (MH)

Mr. Surya Narayan - Lt. Mrs. Saroj Devi Upadhyay
Ratlam (M.P.)

Mr. N.D. - Mrs.. Kaushalya Devi Bansal
Ludhiana (Punjab)

Mr. N.K. Sharma - Mrs. Tara Devi Sharma
Mumbai

Mr. Jagjivan V. - Lt. Mrs. Savita J. Jethva
Borivali - Mumbai (MH)

Mr. Shambhu - Mrs. Seema Solanki
Kota (Raj.)

Mr. Vishnu Kumar - Mrs. Seeta Devi Soni
Singhasan - Sikar (Raj.)

Mr. Paras Nath Verma - Lt. Savitri Devi
Gorakhpur

Mr. Indra Chand Saraswat
Bikaner (Raj.)

Mr. Shiv Raj Singh Jhala
Rajkot (Guj.)

Mr. Sagarmal Agarwal
Hyderabad

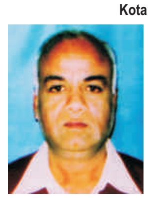
Mr. Vijay Singhal
Moga (Punjab)

Mr. Ashok Kumar Sud
Shimla (H.P.)

Mr. Rajkumar Jain
Rajpura (Punjab)

Lt. Mrs. Geetabai Modi
Ratlam (M.P.)

Shanti Bai Jain
Bija, Chattisgarh

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्रीमती एवं श्री जितेन्द्र जैन
जयपुर

श्रीमती एवं श्री विनय कुमार जैन
दिल्ली

श्रीमती एवं श्री योगेन्द्र सिंह, मेरठ
एवं श्रीमती कल्पना गोयल (बीच में)

सत्य बोलो, मधुर बोलो, कम बोलो और स्वमान से बोलो।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Sunil Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855752

Santosh Sharma
Area Chennai
Cell : 07821855751

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Yes Bank	A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. +91 9649399993

TARA NETRALAYA - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad - 211022 (U.P.), Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur
H.O. Bypass Road, Gokul Village, Sector - 9,
Udaipur - 313002 (Raj.), Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, फरवरी - 2019
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का
कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
प्रातः 8:40 से
9:00 बजे

बुक पोस्ट

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993

Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org